

विषाणिका, अश्वगंधा, द्रवन्ती और क्षीरिणी जड़ें मूलिनी वर्ग में शामिल हैं।

मूली स्त्री. (तत्.) 1. लंबी सफेद जड़ और हरे पत्तों वाला एक शाक, इसकी जड़ खाने में मीठी, चरपरी या तीक्ष्ण होती है, इसका प्रयोग सब्जी या सलाद के रूप में किया जाता है 2. एक प्रकार का बाँस 3. एक पौराणिक नदी।

मूलीय वि. (तत्.) मूल या मूल से संबंधित जैसे- जिह्वा-मूलीय।

मूलोच्छेद पुं. (तत्.) 1. जड़ से उखाड़ देना 2. समूल नष्ट करना, सर्वनाश।

मूलोदय पुं. (तत्.) ब्याज का इतना बढ़ जाना कि वह मूलधन के बराबर हो जाए।

मूल्य पुं. (तत्.) 1. कीमत, दाम 2. किसी चीज को लेने या खरीदने के बदले में मुद्रा के रूप में दी जाने वाली धनराशि 3. किसी प्रकार की सेवा के लिए सेवा करने वाले को दी जाने वाली धनराशि या पारिश्रमिक 4. वह गुण, तत्त्व या हैसियत जिसके आधार पर किसी का मान या महत्व होता है, प्रतिष्ठा के योग्य 5. जिसका मूल या जड़ जमने लायक हो अर्थात् रोपने योग्य पौधा 6. फसल जो जड़ से उखाड़ कर उपयोग में लाने योग्य हो जैसे- दालें।

मूल्यन पुं. (तत्.) किसी वस्तु का मूल्य निर्धारण करना, दाम आँकना, मूल्यांकन valuation

मूल्यवान वि. (तत्.) 1. बहुमूल्य, कीमती, जिसका मूल्य अधिक हो 2. जिसका महत्व बहुत अधिक हो जैसे- आपकी सेवायें इस संस्था के लिए काफी मूल्यवान हैं।

मूल्यविज्ञान पुं. (तत्.) वस्तुओं के मूल्य किस आधार पर बढ़ते हैं और किस आधार पर कम होते हैं, आदि का विश्लेषण और विवेचन करने वाला शास्त्र या विज्ञान।

मूल्य-सूचकांक पुं. (तत्.) मूल्य सूचकांक, भाव सूचकांक, किसी निर्धारित समय में वस्तुओं की कीमतों की प्रवृत्ति को दर्शाने वाली सूचना।

मूल्यहास-निधि पुं. (तत्.) निरंतर प्रयोग, जीर्णता, प्रचलन से बाहर हो जाने आदि के कारण किसी परिसंपत्ति के मूल्य में होने वाली कमी को दर्शाने और समायोजित करने संबंधी निधि या कोष।

मूल्यांकन पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु का मूल्य निर्धारित करने की प्रक्रिया या भाव 2. किसी वस्तु की उपयोगिता, गुण, महत्व आदि का आंकलन करना 3. परीक्षार्थियों की उत्तर-पुस्तिकाओं के उत्तरों को जाँच कर अंक देना।

मूल्यानुसार अव्य. (तत्.) जितना मूल्य हो उसी के अनुसार, यथामूल्य।

मूवना अ.क्रि. (तद्.) मरण, मरना, मृत्यु होना।

मूश पुं. (तद्.) 1. मूसा, मूषक, चूहा 2. सोना चाँदी गलाने की कुलिया, मूषा, घडिया crucible

मूषक-कर्णी/मूषकर्णी स्त्री. (तत्.) मूसाकानी लता इसे आखुकर्ण-पर्णिका, आखुकर्णी, आखुपर्णिका आखुपर्णी भी कहते हैं myosotis

मूषकवाहन पुं. (तत्.) गणेश, गजानन।

मूषण पुं. (तत्.) चुराना, मूसना, चुरा या छीन लेना।

मूषा स्त्री. (तत्.) 1. सोना आदि गलाने की घरिया 2. देवताइ नामक वृक्ष 3. गोखरू का पौधा 4. गवाक्ष, झरोखा।

मूषा-तुत्थ पुं. (तत्.) नीला थोथा, तूतिया।

मूषिक पुं. (तत्.) 1. चूहा, मूसा 2. दक्षिण भारत का एक जनपद 3. चोर।

मूषिकपर्णी स्त्री. (तत्.) जल में उत्पन्न एक प्रकार का तृण।

मूषिक-साधन पुं. (तत्.) तंत्र साधना में एक प्रकार का प्रयोग जिसके सिद्ध हो जाने से मनुष्य चूहे की बोली समझकर उससे शुभ अशुभ फल कह सकता है।

मूषिकांक पुं. (तत्.) गणेश, गणपति।